

NCERT Solution

पाठ - 16

भोर और बरखा

कविता से:

उत्तर1: यहाँ पर माता यशोदा श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यार', 'लाल जी', उपर्युक्त कथन कहते हुए अपने पुत्र श्रीकृष्ण को जगाने का प्रयास कर रही हैं। माता यशोदा श्रीकृष्ण को जगाने के अपने प्रयास में कृष्ण से निम्न बातें कहती हैं कि रात बीत चुकी है, सभी के दरवाजें खुल चुके हैं, देखो गोपियाँ दही बिलो कर तुम्हारा मनपसंद माखन निकाल रही है, द्वार पर देव और मानव सभी तुम्हारे दर्शन की प्रतीक्षा में खड़े हैं, तुम्हारे मित्रगण भी तुम्हारी जय-जयकार कर रहे हैं, सभी अपने हाथ में माखन रोटी लेकर गाएँ चराने के लिए तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हैं। अतः तुम जल्दी उठ जाओ।

उत्तर2: प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ग्वाल-बालों ने हाथ में माखन रोटी ले ली है और वे सभी गौएँ चराने के लिए श्रीकृष्ण की प्रतीक्षा में खड़े हैं।

उत्तर3: ब्रज में भोर होते ही सभी घरों के किवाड़ खुल जाते हैं। गोपियाँ दही बिलोने लगती हैं उनके कंगन खनकने से पूरे वातावरण में मधुर संगीत गूँजने लगता है। ग्वाल-बाल गौएँ चराने के लिए तैयार होने लगते हैं।

उत्तर4: मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा क्योंकि सावन का मौसम मीरा को श्रीकृष्ण की भनक अर्थात् श्रीकृष्ण के आने का अहसास कराता है। साथ ही इस समय प्रकृति भी बड़ी सुहावनी होती है।

उत्तर5: प्रस्तुत पद में सावन का बड़ा ही मनोहारी वर्णन किया गया है। सावन के महीने में मनभावन वर्षा हो रही है। बादल उमड़-धुमड़कर कर चारों दिशाओं में फैल जाते हैं। बिजली चमकने लगती है। वर्षा की झड़ी लग जाती है। वर्षा की नन्हीं-नन्हीं बूंदें गिरने लगती हैं पवन भी शीतल और सुहावनी हो जाती है। सावन का महीना मीरा को श्रीकृष्ण की भनक अर्थात् श्रीकृष्ण के आने का अहसास कराता है।

कविता से आगे:

उत्तर1:

भक्तिकाल कवि	उनकी रचना
सूरदास	सूर सारावली
रसखान	प्रेम-वाटिका

NCERT Solution

तुलसीदास

विनय-पत्रिका

उत्तर2: वर्षा ऋतु से संबंधित दो अन्य महीनों के नाम-आषाढ़ और भादो है।

भाषा की बात

उत्तर1: 'गउवन के रखवारे' शब्द के लिए एक शब्द - गोपाला है।

उत्तर2:

विशेषण पुनरुक्ति	संज्ञा पुनरुक्ति
1. पिताजी बाज़ार से ताजे-ताजे फल लाए।	1. शहर-शहर सिनेमा की धूम है।
2. आज रोहन ने मीठे-मीठे बेर खिलाएँ।	2. आजकल गली-गली मंदिर बन रहे हैं।